18 / 01 / 82 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

ब्रह्मा बाबा के अंतिम वरदान 'बाप समान भव' का स्वरूप बनने का अनुभव

➢➢ 18 जनवरी, जिम्मेवारी के ताजपोशी का दिवस...

➳ _ ➳ बाप दादा के अंतिम संकल्प के बोल व नयनों की भाषा...

→ "बाप समान भव"- की वरदानी मैं आत्मा...

→ "बाप दादा के नयनों की नूर'... जग की ज्योति मैं आत्मा...

→ स्वमान की गहराई में उतरती हुई मैं आत्मा...

→ संकल्पों की सुई सहसा अटक गयी है... इसी शब्द पर...

■ मैं... बाप दादा की नयनों का नूर...

■ गहराई से समाँता जा रहा हैं, ये स्वमान...

■ गहरे और भी गहरे...

➳ _ ➳ मैं आत्मा देह से अलग महसूस कर रही हूँ स्वयं को...

➳ _ ➳ हल्की एकदम हल्की हो उड़ चली सूक्ष्म वतन की ओर...

→ सूक्ष्म वतन में बापदादा आज सूर्य का समान...

→ तेज युक्त और ऊँचे आसन पर विराज मान हैं...

→ सूर्य के समान ही उंचाई से अपनी किरणों का तेज फैलाते हुए...

■ किरणें पावनता की...

■ स्नेह की, शक्तियों की...

→ किरणों का तेज स्वयं में समाते हुए मैं आत्मा,

→ देख रहीं हूँ बाप दादा के गले मे...

→ मैं असंख्य मोतियों की चमचमाती माला...

■ बच्चों के स्नेह की माला...

■ हर मोती स्नेह से भरा हैं...

■ 'मेरा बाबा', 'वाह बाबा'

→ स्नेह के हर मोती को प्यार से सहेजे है, बापदादादा...

→ बापदादा के स्नेह से स्वयं में समाती हुई मैं आत्मा...

→ मुझ आत्मा का हर संकल्प समर्थ होता जा रहा हैं...

→ समर्थ संकल्प ही वृद्धि का सहज साधन हैं...

■ मैं समर्थ आत्मा...

■ बापदादा हर संकल्प में मेरे सहयोगी हैं...

➳ _ ➳ तत्ततवं की वरदानी मूर्त मैं आत्मा...

➳ _ ➳ अब चल पड़ी हूँ परमधाम की ओर...

→ साकार बाप के वरदानो की विशेष अधिकारी आत्मा...

→ शिव पिता की सम्पूर्ण शक्तियों पर अधिकार पाने के लिए...

- परमधाम में...
- मै अधिकारी आत्मा...
- शिव पिता किरणों का सेहरा बांधकर...
- अब मुझ आत्मा की ताजपोशी कर रहे हैं...
- आप समान ही सम्पूर्ण बना रहे हैं...

➳ _ ➳ स्वयं को बाप समान गुणों से भरपूर कर...

➳ _ ➳ मैं आत्मा वापस अपने स्थूल शरीर में...

→ मैं आत्मा देख रही हूँ...

→ बाप के वरदान का ये विचित्र वृक्ष..

→ ये ब्राह्मण आत्माओं का मजबूत संगठन...

→ बाप दादा की आशाओं को पूरा करने वाला...

→ ब्राह्मण आत्माओं का वृक्ष...

- इस वृक्ष के हर पत्ते को बाप समान बनाती...
- मैं जिम्मेवार आत्मा..
- स्वयं को ब्रह्मा कुमार, कुमारी नही...
- स्वयं को बाप समान अनुभव कर रही हूँ...